भारत सरकार

रेल मंत्रालय

लोक सभा

03.12.2025 के

अतारांकित प्रश्न सं. 679 का उत्तर

श्रावस्ती और बलरामपुर जिलों के रेलवे स्टेशनों के लिए एबीएसएस

679. श्री राम शिरोमणि वर्मा:

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार का प्रमुख रेलवे स्टेशनों यथा बलरामपुर, गैसड़ी, श्रावस्ती लोक सभा क्षेत्र के गोंडा-बलरामपुर खंड और बलरामपुर जिले के साथ-साथ श्रावस्ती में नई रेलवे लाइन परियोजना से संबंधित स्टेशनों को अत्याधुनिक सुविधाओं के साथ आदर्श स्टेशनों के रूप में विकसित करने हेतु कोई योजना बनाने का विचार है;

(ख) यदि हाँ, तो अमृत भारत स्टेशन योजना या अन्य आधुनिकीकरण योजनाओं के अंतर्गत इन जिलों में चयनित स्टेशनों की सूची, स्वीकृत बजट का ब्यौरा, कार्य की वर्तमान प्रगति और अपेक्षित पूर्णता अवधि क्या है; और

(ग) यदि नहीं, तो श्रावस्ती और बलरामपुर जिलों के स्टेशनों पर यात्रियों के लिए बुनियादी सुविधाओं (प्रतीक्षालय, पेयजल, प्रकाश व्यवस्था, शौचालय, दिव्यांगजनों के लिए सुविधाएं आदि) में सुधार हेतु सरकार द्वारा उठाए गए/उठाए जा रहे कदमों का ब्यौरा क्या है?

उत्तर

रेल, सूचना और प्रसारण एवं इलेक्ट्रोनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री

(श्री अश्विनी वैष्णव)

(क) से (ग): भारतीय रेल ने दीर्घकालिक दृष्टिकोण के साथ स्टेशनों के पुनर्विकास के लिए अमृत भारत स्टेशन योजना शुरू की है।

इस योजना में स्टेशनों में सुधार करने के लिए मास्टर योजना तैयार करना और उनका चरणबद्ध कार्यन्वयन शामिल है। इस मास्टर योजना में निम्नानुसार शामिल हैः-

- स्टेशन और परिचलन क्षेत्रों तक पहुंच में सुधार,
- स्टेशन का शहर के दोनों भागों का एकीकरण,
- स्टेशन भवन में सुधार,
- प्रतीक्षालय, शौचालय, बैठने की व्यवस्था, पानी के बूथ में सुधार,
- यात्री यातायात के अनुरूप चौड़े पैदल पार पुल/एयर कॉनकोर्स का प्रावधान,
- लिफ्ट/स्वचालित सीढ़ियों/रैंप का प्रावधान,
- प्लेटफॉर्म की सतह और प्लेटफॉर्म पर कवर में सुधार/प्रावधान,
- 'एक स्टेशन एक उत्पाद' जैसी योजनाओं के माध्यम से स्थानीय उत्पादों के लिए कियोस्क का प्रावधान,
- पार्किंग क्षेत्र, यातायात के विभिन्न साधनों के साथ एकीकरण,
- दिव्यांगजनों के लिए सुविधाएं,
- बेहतर यात्री सूचना प्रणाली,
- प्रत्येक स्टेशन पर आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए एक्जीक्यूटिव लाउंज, व्यावसायिक बैठकों के लिए नामित स्थान, लैंडस्केपिंग आदि का प्रावधान।

इस योजना में आवश्यकतानुसार, चरणबद्ध एवं व्यवहार्य रूप से दीर्घकालिक और पर्यावरण अनुकूल समाधान, गिट्टी रहित रेलपथ का प्रावधान आदि तथा दीर्घावधि में स्टेशन पर सिटी सेंटर के निर्माण की भी परिकल्पना की गई है।

अभी तक, इस योजना के अंतर्गत विकास हेतु 1337 स्टेशनों को चिह्नित किया गया है, जिनमें से बलरामपुर जिले के बलरामपुर और तुलसीपुर स्टेशन, श्रावस्ती लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र सहित 157 स्टेशन उत्तर प्रदेश राज्य में स्थित हैं। उत्तर प्रदेश राज्य में अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत विकास के लिए चिह्नित स्टेशनों के नाम इस प्रकार हैं:

राज्य	स्टेशनों की संख्या	स्टेशनों के नाम
उत्तर प्रदेश	157	अछनेरा, आगरा कैंट, आगरा फोर्ट, ऐशबाग जं., अकबरपुर जं., अलीगढ, अमेठी, अमरोहा, आनंद नगर जं., आंवला, अयोध्या धाम जंक्शन, आज़मगढ़, बाबतपुर, बछरावां, बदांयू, बादशाहनगर, बादशाहपुर, बहेड़ी, बहराईच, बालामऊ जं., बलिया, बलरामपुर, बनारस, बांदा, बाराबंकी जं., बरेली, बरेली सिटी, बढ़नी, बस्ती, बेल्थरा रोड, भदोही, भरतकुंड, भटनी, भूतेश्वर, बिजनौर, बुलन्दशहर, चंदौली मझवार, चंदौसी, चिलबिला, चित्रकूट धाम कर्वी, चोपन, चुनार जं., डालीगंज, दर्शननगर, देवरिया सदर,

		धामपुर, दिलदारनगर, इटावा जं., फर्रुखाबाद, फतेहाबाद, फतेहपुर, फतहपुर सीकरी, फिरोजाबाद, गजरौला, गढ़मुक्तेसर, गौरीगंज, घाटमपुर, गाजियाबाद, ग़ाज़ीपुर सिटी, गोला गोकर्णनाथ, गोमतीनगर, गोंडा, गोरखपुर, गोवर्धन, गोविंदपुरी, गुरसहायगंज, हैदरगढ़, हापुड, हरदोई, हाथरस सिटी, ईदगाह आगरा जंक्शन, इज्जतनगर, जंघई जंक्शन, जौनपुर सिटी, जौनपुर जंक्शन, कन्नौज, कानपुर अनवरगंज, कानपुर ब्रिज लेफ्ट बैंक, कानपुर सेंट्रल, कप्तानगंज जंक्शन, कासगंज जंक्शन, काशी, खलीलाबाद, खोरासों रोड, खुर्जा जंक्शन, कोसी कलां, कुंडा हरनामगंज, लखीमपुर, लालगंज, ललितपुर जंक्शन, लंभुआ, लोहता, लखनऊ (चारबाग) एनआर, लखनऊ सिटी, लखनऊ जंक्शन (एनईआर), मां बेल्हा देवी प्रतापगढ़ जंक्शन, मगहर, महाराजा बिजली पासी, महोबा जंक्शन, मैलानी जंक्शन, मैनपुरी जंक्शन, मल्हौर, मानक नगर, मानिकपुर जंक्शन, मारियाहू, मथुरा जंक्शन, मऊ जंक्शन, मेरठ सिटी जंक्शन, मिर्ज़ापुर, मोदीनगर, मोहनलालगंज, मुरादाबाद जंक्शन, मुजफ्फरनगर, नगीना, नजीबाबाद जंक्शन, उरई, पनकी धाम, फाफामऊ जंक्शन, फूलपुर, पीलीभीत जंक्शन, पोखरायां, प्रयाग जंक्शन, प्रयागराज जंक्शन, पं. दीन दयाल उपाध्याय जंक्शन, रायबरेली जंक्शन, राजा की मंडी, रामघाट हाल्ट,

		रामपुर जंक्शन, रेनुकूट, सहारनपुर जंक्शन, सलेमपुर, स्योहारा, शाहगंज जंक्शन, शाहजहाँपुर, शामली, शिकोहाबाद जंक्शन, शिवपुर, सिद्धार्थ नगर, सीतापुर जंक्शन, सोनभद्र, श्रीकृष्ण नगर, सुल्तानपुर जंक्शन, सुरेमनपुर, स्वामीनारायण छपिया, तकिया, तुलसीपुर, टूंडला जंक्शन, उझानी, ऊंचाहार, उन्नाव जंक्शन, उतरेतिया जंक्शन, वाराणसी कैंट, वाराणसी सिटी, विंध्याचल, वीरांगना लक्ष्मीबाई झाँसी, व्यासनगर, जाफराबाद

उत्तर प्रदेश राज्य में अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत रेलवे स्टेशनों पर विकास कार्य तेज गति से शुरू किए गए हैं। अब तक, इस योजना के अंतर्गत उत्तर प्रदेश राज्य में 20 स्टेशनों (अयोध्या धाम, बलरामपुर, बरेली सिटी, बिजनौर, फतेहाबाद, गोला गोकर्णनाथ, गोमती नगर, गोवर्धन, गोविंदपुरी, हाथरस सिटी, ईदगाह आगरा जं., इज्जतनगर, मैलानी, पुखरायां, रामघाट हॉल्ट, सहारनपुर जं., सिद्धार्थ नगर, सुरेमनपुर, स्वामीनारायण छपिया, उझानी) पर कार्य पूरे किए जा चुके हैं।

अन्य स्टेशनों पर भी कार्य तेज गति से शुरू किए गए हैं और उपर्युक्त कुछ स्टेशनों की प्रगति नीचे दी गई है:

- तुलसीपुर स्टेशन: स्टेशन भवन, प्रवेश प्रांगण, परिचलन क्षेत्र, पार्किंग क्षेत्र, प्रतीक्षालय, शौचालय, प्लेटफार्म शेल्टर और संकेतकों में सुधार संबंधी कार्य पूरे कर लिए गए हैं। फिनिशिंग के कार्य शुरू कर दिए गए हैं।

- **गोंडा स्टेशन: नए स्टेशन भवन के निर्माण, मौजूदा संरचनाओं को तोड़ने और जनोपयोगिताओं के स्थानांतरण के कार्य शुरू कर दिए गए हैं।**

- **मोदीनगर स्टेशन: स्टेशन भवन की ऊंचाई बढ़ाने, प्रतीक्षालय और शौचालय में सुधार, 12 मीटर चौड़ा पैदल पार पुल, नए प्लेटफार्म शेल्टर के कार्य पूरे कर लिए गए हैं और भवन के छोटे-मोटे अंतिम सुधार कार्य, प्लेटफार्म की सतह संबंधी कार्य, संकेतक, परिचलन क्षेत्र और पार्किंग में सुधार संबंधी कार्य शुरू किए गए हैं।**

- **लखनऊ (चारबाग) स्टेशन: स्टेशन भवन के दूसरे प्रवेश द्वार, टीटीई रनिंग हॉस्टल, भंडार गोदाम के संरचनात्मक कार्य पूर्ण कर लिए गए हैं और ईंट-पत्थर का कार्य सहित अन्य फिनिशिंग कार्य, कॉनकोर्स, पैदल पार पुल, दूसरे प्रवेश द्वार पर परिचलन क्षेत्र, मुख्य प्रवेश द्वार पर बाहरी विकास कार्य और प्लेटफार्म क्र. 10/11 के कार्य शुरू किए गए हैं।**

- **प्रयागराज जंक्शन स्टेशन: दूसरे प्रवेश द्वार की ओर, रेल डाक सेवा और आगमन, पार्सल और आगमन भवनों तथा दूसरे प्रवेश द्वार पर बेसमेंट प्लाजा, विद्युत उप-केंद्र सबस्टेशन के संरचनात्मक कार्य पूरे कर लिए गए हैं और इन संरचनाओं के फिनिशिंग कार्य शुरू कर दिए गए हैं। पैदल पार पुल सं. 2 का विस्तार कार्य पूरा कर लिया गया है। रूफ प्लाजा और स्थानांतरित संरचनाओं के कार्य शुरू कर दिए गए हैं।**

- **गाजियाबाद स्टेशन: मुख्य प्रवेश द्वार और दूसरे प्रवेश द्वार पर स्टेशन भवन के संरचनात्मक कार्य, पैदल पार पुल की नींव का कार्य, रूफ प्लाज़ा, मुख्य प्रवेश द्वार और दूसरे प्रवेश द्वार पर विद्युत उप-केंद्र, मजिस्ट्रेट भवन, राजकीय रेल पुलिस और रेल सुरक्षा बल के भवनों के कार्य शुरू किए गए हैं।**

भारतीय रेल में स्टेशनों पर यात्री सुविधाओं के प्रावधान सहित स्टेशनों का विकास/पुनर्विकास/उन्नयन/आधुनिकीकरण सतत् और निरंतर चलने वाली प्रक्रिया है और इस संबंध में कार्यों की पारस्परिक प्राथमिकता और निधियों की उपलब्धता के अध्यधीन, आवश्यकतानुसार कार्य किए जाते हैं। स्टेशनों के विकास/पुनर्विकास/उन्नयन/आधुनिकीकरण के लिए कार्यों को स्वीकृति देते और निष्पादित करते समय निचली कोटि के स्टेशनों की तुलना में उच्च कोटि के स्टेशनों को प्राथमिकता दी जाती है।

अमृत भारत स्टेशन योजना सहित स्टेशनों का विकास/उन्नयन/आधुनिकीकरण सामान्यतः योजना शीर्ष-53 'ग्राहक सुविधाएं' के अंतर्गत वित्तपोषित किया जाता है। योजना शीर्ष-53 के अंतर्गत आबंटन और व्यय का विवरण क्षेत्रीय रेलवे-वार रखा जाता है, न कि कार्य-वार या स्टेशन-वार या राज्य-वार। उत्तर प्रदेश राज्य पाँच क्षेत्रीय रेलों नामतः पूर्व मध्य रेलवे, उत्तर मध्य रेलवे, उत्तर रेलवे, पूर्वोत्तर रेलवे और पश्चिम मध्य रेलवे के अधिकार क्षेत्र में आता है। इन क्षेत्रीय रेलों के लिए वित्त वर्ष 2025-26 के लिए 4,358 करोड़ रुपये का आबंटन किया गया है, जिसमें से अब तक (अक्टूबर, 2025 तक) 2,288 करोड़ रुपये का व्यय किया गया है।

रेलवे स्टेशनों का विकास/उन्नयन जटिल प्रकृति का होता है जिसमें यात्रियों और रेलगाड़ियों की संरक्षा शामिल होती है और इसके लिए दमकल विभाग, धरोहर, पेड़ों की कटाई, विमानपत्तन स्वीकृति इत्यादि जैसी विभिन्न सांविधिक स्वीकृतियों की आवश्यकता होती है। इनकी प्रगति जनोपयोगी सेवाओं (जिनमें जल/मलजल लाइन, ऑप्टिकल फाइबर केबल, गैस पाइप लाइन, विद्युत/सिगनल केबल इत्यादि शामिल हैं) को स्थानांतरित करना, अतिलंघन, यात्री संचलन को बाधित किए बिना रेलगाड़ियों का परिचालन, उच्च वोल्टेज बिजली लाइनों के

निकट किए जाने वाले कार्यों के कारण गति प्रतिबंध आदि जैसी ब्राउन फील्ड संबंधी चुनौतियों के कारण भी प्रभावित होती है और ये कारक कार्य के समापन समय को प्रभावित करते हैं। अत:, इस समय कोई समय-सीमा निर्धारित नहीं की जा सकती।

खलीलाबाद - बहराइच नई लाइन परियोजना

"बलरामपुर और श्रावस्ती के रास्ते खलीलाबाद-बहराइच नई लाइन परियोजना (240 किमी) को 4,940 करोड़ रुपये की लागत पर स्वीकृत किया गया है। इस परियोजना में 32 स्टेशन शामिल हैं, जिनके नाम हैं: खलीलाबाद, भागौली, बखीरा, मेधावल, पसई, खेसराहा, बंसी, रामवानपुर, भगोभार, टिकरिया, डुमरियागंज, धनखरपुर, बंजरहा, चिरकुटीहा, उतरौला, कपुआशेरपुर, श्रीदत्तगंज, महेश भरी, खगाईजोत, बलरामपुर, झरखंडी, हासुवाल डोल, श्रावस्ती, इकौना, लक्ष्मणपुर, बिषुनापुर, भिंगा, हरिहरपुर, बरदेहरा, धूसवा, अजातापुर और बहराइच। इन सभी स्टेशनों पर आधुनिक सुविधाएं प्रदान करने की योजना है। इस परियोजना को राज्य सरकार के माध्यम से भूमि अधिग्रहण के लिए "विशेष रेल परियोजना" के रूप में अधिसूचित किया गया है।

*****